तापमान
अधिकतम 39 .8 डिग्री
न्यूनतम 29 .3 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 16 जून 2025

11 पतंजलि योग समिति का सह-योग शिक्षक...

12 कंवारी गांव में उपचुनाव सरपंच बने करतार सिंह

खबर संक्षेप

एक किलो सुल्फा के सप्लायर को पकड़ा

नारनौंद। सीआईए स्टाफ पुलिस ने एक किलो 14 ग्राम सुल्फा के असल सप्लायर वार्ड 11 निवासी सागर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित युवक ने कुछ दिनों पहले गौतम कॉलोनी नारनौंद के अंकित को एक किलो सुल्फा सप्लाई किया था। सीआईए टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में तीन आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

नारनौंदः सुल्फा के सप्लायर को पकड़ा

नारनौंद। सीआईए पुलिस ने 440 ग्राम सुल्फा के असल सप्लायर मुंढाल खुर्द निवासी धर्मवीर को गिरफ्तार किया है। आरोपित युवक कुछ दिनों पहले अम निवासी मुंढाल को 440 ग्राम सुल्फा सप्लाई किया था। सीआईए स्टाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित युवक धर्मवीर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसको अदालत में पेश करके एक दिन के रिमांड पर लिया है।

7.62 ग्राम हेरोइन के सप्लायर को किया काबू

नारनौंद। नारनौंद पुलिस ने 7.62 ग्राम हेरोइन के असल सप्लायर सुलचानी निवासी बिट्टू को गिरफ्तार किया गया है। उसको कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार आरोपी ने गत दिनों पहले काली पत्नी सुनील निवासी सुलचानी को 7.62 ग्राम हेरोइन सप्लाई की थी।

अवैध देसी शराब की 12 बोतल के साथ एक काबू

हांसी। शहर थाना पुलिस ने अवैध देशी शराब की 12 बोतल के साथ सहित हनुमान कालोनी निवासी राहुल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक व्यक्ति को लाल सड़क पर शक के आधार पर तलाशी ली तो उसके पास अवैध देसी शराब की 12 बोतल बरामद हुई। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर अवैध शराब को कब्जा में लेकर जांच शुरू की।

चोरी की मोटर खरीदने का आरोपी गिरफ्तार

हांसी। शहर थाना पुलिस ने चोरी की मोटर खरीदने वाले आरोपी भिवानी जिले के गांव बड़सी निवासी अमित को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता कुलदीप सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने कुछ दिनों पहले हांसी की ढेहा बस्ती निवासी शाखा से 400 रुपए में चोरी की पानी वाली मोटर खरीदी थी।

जिला प्री सुब्रतो स्कूल फुटबॉल स्पर्धा कल से

हिसार। जिला स्तरीय प्री सुब्रतो स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 17 व 18 जून को जाट कॉलेज के फुटबॉल ग्राउंड पर किया जाएगा। जिला फुटबॉल एसोसिएशन हिसार की ओर से संघ के सचिव संदीप दलाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एक स्कूल की टीम होना अनिवार्य है व खिलाड़ी की आयु एक जनवरी 2011 या उसके बाद की होनी चाहिए।

लाखों की धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

नारनौंद। साइबर क्राइम पुलिस ने पार्ट टाइम जॉब लगवाने के नाम पर पांच लाख 67 हजार की धोखाधड़ी मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान जयपुर जिले के बस्सी निवासी विकास उर्फ विक्की के रूप में हुई है। पीड़ित संदीप शर्मा निवासी गढ़ी ने बताया कि वो कोटेक महेन्द्रा बैंक हिसार में नौकरी करता है। चार जनवरी 2025 को व्हाट्सएप पर पार्ट टाइम नौकरी करके पैसा कमाने का लालच दिया गया। मैसेज करने वाले ने अपना नाम सुनिता शर्मा कम्पनी का नाम ब्राण्ड मार्क एसोसिएट प्राईवेट लिमिटेड बताया। उन्होने टेलीग्राम पर होटलों के लिंक भेजकर रेटिंग देने का काम दिया। फिर ट्रेडिंग का लिंक भेजकर पैसा डबल का लालच दिया। उन्होने यूपीआई में पैसा ट्रांसफर करवा लिया। आरोपित युवक ने कुल पांच लाख 67 रुपए रुपए की धोखाधड़ी की है। आरोपित को अदालत ने जेल भेज दिया।

छात्रा ने लगाया सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी देने व बदनाम करने का आरोप

हकृवि प्रशासन ने मानी मांगे, आंदोलन जस का तस

छात्रों ने अभी नहीं लिया आंदोलन वापसी का निर्णय, विवि. प्रशासन बोला : मांगे मान ली, अब आंदोलन का औचित्य नहीं, साइबर पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर केस दर्ज करके जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

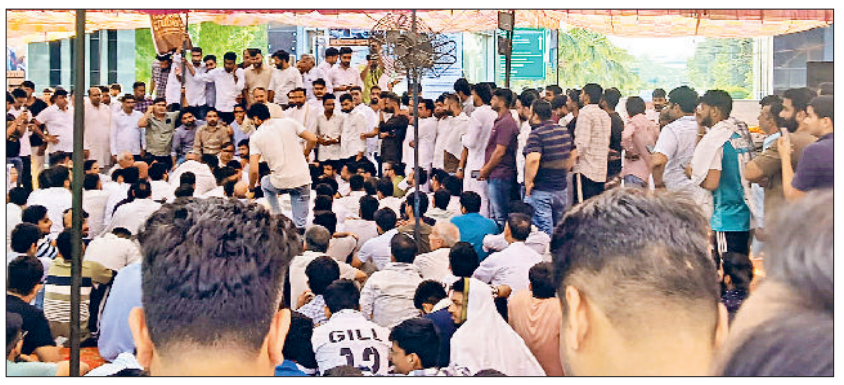

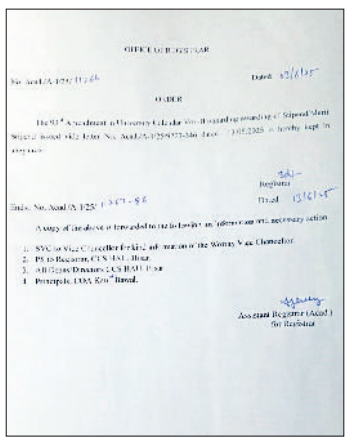

हिसार। हकृवि के आगे चल रहा छात्रों का धरना,संबोधत करते विभिन्न संगठनों के नेता व हकृवि प्रशासन द्वारा जारी किया गया काटी गई स्कॉलरशिप को जारी रखने का पत्र। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चार नंबर गेट पर चल रहा छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों की लगभग सभी मांगे मानते हुए पत्र जारी करके परीक्षाएं करवाने की घोषणा कर दी है लेकिन विद्यार्थी अभी तक अपनी मांगों पर अड़े हैं। उनका कहना है कि हरियाणा के हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में छात्र आंदोलन जोर-शोर से चल रहा है। इस बीच विश्वविद्यालय ने सोमवार से विश्वविद्यालय में परीक्षाएं करवाने की घोषणा कर दी है। विश्वविद्यालय ने छात्रों से आंदोलन छोड़कर परीक्षाएं देने को कहा है, वहीं विद्यार्थियों का कहना है कि कुलपति को हटाने व अन्य मांगे पूरी होने तक वे धरने पर डटे रहेंगे। इसी बीच एक छात्रा ने सोशल मीडिया पर धमकी देने व बदनाम करने का आरोप लगाते हुए आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। छात्रा की शिकायत के बाद आंदोलनकारी छात्रों पर भी उंगली उठनी शुरू हो गई है।

हकृवि प्रशासन ने मांग मानकर की अपील

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने घोषणा की है कि छात्रों के भविष्य के मद्देनजर उनकी सभी मांगे मान ली गई है। प्रशासन के अनुसार आंदोलन कर रहे लोगों की सभी मांगों को मान लिया गया है, इसलिए अब धरना देने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि विश्वविद्यालय में सोमवार से परीक्षा होने जा रही है। अन्य दैनिक कार्य भी सुचारू रूप से आरंभ हो जाएंगे। ऐसे सभी छात्रों से अनुरोध हैं कि वे परीक्षाओं के सफल संचालन व अन्य दैनिक कार्यों में सहयोग करें क्योंकि यह सीधे रूप से उनके भविष्य से जुड़े विषय है। छात्रों की पढ़ाई कल से सुचारू रूप से शुरू हो जाएगी। समय पर सेमेस्टर के पूरा होने के लिए परीक्षाएं बेहद जरूरी है, इसलिए सभी छात्र पूरी मेहनत व लगन से पढ़ाई करके अपनी परीक्षाएं दें। परीक्षाओं के स्थगित होने से सेमेस्टर लेट होगा। छात्रों को आगे की पढ़ाई भी बाधित होगी। छात्रों को आगे के लिए दाखिला लेना होता है। कई छात्र विदेशी संस्थानों में भी दाखिला लेते हैं। परीक्षाओं के विलंब होने में छात्रों के पास अन्य संस्थानों में दाखिला लेने के अवसर नहीं रहेंगे और उनका साल खराब हो सकता है।

आज होने वाली परीक्षा की तैयारियां पूरी

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बताया गया है कि सोमवार से आरंभ होने वाली परीक्षाओं के लिए सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। परीक्षाओं के मद्देनजर सुरक्षा प्रबंध भी पूरे कर लिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि विद्यार्थियों को अपने भविष्य को देखते हुए कक्षाओं में आ जाना चाहिए।

साइबर पुलिस ने शुरू की जांच

साइबर पुलिस ने छात्रा गीता देवी की शिकायत पर केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि ऐसी स्टोरी लगाने वाले व धमकी देने वाले कौन है।

धरने पर डटे छात्रों ने की नारेबाजी

उधर, आंदोलनकारी छात्र लगातार धरने पर डटे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपना आंदोलन वापिस लेने वाले नहीं है। जब तक सरकार कुलपति को हटाकर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं करेगी, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। छात्र आंदोलन के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों के नेता पहुंचे। उन्होंने छात्रों की मांगों को जायज बताते हुए सरकार से अपील की कि इन मांगों को शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्र अपनी जायज मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं। धरने पर पहुंचे वालों में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चीफ, युवा कांग्रेस नेता प्रदीप नरवाल, इनेलो विधायक आदित्य चौटाला सहित अन्य शामिल रहे।

छात्रा को धमकी देने का मामला

दूसरी तरफ एचएयू में आंदोलन में साथ नहीं देने पर एक पीएचडी स्कॉलर छात्रा को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। छात्रा गीता देवी ने साइबर क्राइम पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने कई अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गीता देवी ने बताया कि इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट डाली हुई है, जिसमें उसकी तस्वीर लगाई हुई है और जिसमें खिलाफ अपमानजनक सामग्री डाली हुई है। छात्रा ने बताया कि उसको इंस्टाग्राम हैंडल पर धमकी दी जा रही है और फोन कर परेशान किया जा रहा है। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर कई अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

छात्रा ने शिकायत में यह बताया

आदमपुर के गांव सदलपुर की रहने वाली छात्रा गीता देवी ने बताया कि वह एचएयू से पीएचडी कर रही है। शनिवार 14 जून को एक अनजान व्यक्ति जिसने इंस्टाग्राम आईडी दधिचि से एक स्टोरी लगाई जिसमें लिखा था 'सार्वजनिक सूचना आपको पता है भारत क्यों गुलाम हुआ था? इन जैसे कुछ अंग्रेजों के तलवे चाटने वालों के कारण और एचएयू का नाश क्यों हो रहा है, इन जैसे प्रशासन की गोदी में बैठने वालों के कारण। ये देवी जी एबीवीपी की संगठन मंत्री है लेकिन धरने से गायब हैं। आज तक एक बार भी नहीं आई।' छात्रा ने बताया कि उसको सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि ये फर्स्ट एयर और सेकेंड ईयर के बच्चों को घर भेज रही हैं। एचएयू एबीवीपी प्रशासन की दलाली कर रहा है। ये ना सिर्फ हमारा आंदोलन खराब कर रहे हैं, बल्कि ये एबीवीपी का भी नाम खराब कर रहे हैं। हम अनुरोध करते हैं कि बच्चे इन जैसे तलवे चाट लोगों से दूर रहें और उनकी कोई बात न माने। इसके साथ इनका सामाजिक बहिष्कार करें। ये जहां भी मिले आपको इनको एहसास कराया जाए।

छात्रा ने लगाया बदनाम करने का आरोप

छात्रा ने बताया कि सोशल मीडिया से उसकी फोटो चुराकर उसकी फोटो भी लगाई हुई है और फोटो के ऊपर उसकी इंस्टाग्राम आईडी को भी लगाया हुआ है। इसके बाद उसे अलग-अलग नंबर से कॉल कर धमकी दी जा रही है। कहा जा रहा है कि आप बच्चों को घर क्यों भेज रहे हो, फिर उसने मुझे कहा कि शेम ऑन यू बोल कर फोन कट दिया। ये अनजान व्यक्ति उसकी फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से चोरी करके उसकी फोटो का दुरुपयोग करके प्रतिष्ठा को मानहानि पहुंचा रहे हैं। सीधा धमकी दे रहे हैं व कॉल करके उसे बेइज्जत और विश्वविद्यालय में मेरे खिलाफ अन्य लोगों में घृणा फैला रहे हैं। छात्रा ने बताया कि जो अन्य लोगों ने स्टोरी लगाई है उसके स्क्रीनशॉट/स्क्रीन रिकॉर्डिंग भी हैं।

महिला बंदियों और उनके साथ रह रहे बच्चों को निः शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध : सीजेएम

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सीजेएम अशोक कुमार ने कहा है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार महिला बंदियों और उनके साथ रह रहे बच्चों को विधिक, मानसिक, स्वास्थ्य और शैक्षणिक अधिकारों की जानकारी और सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अशोक कुमार ने कहा कि महिला बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों, निशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता और जेल विधिक सेवा क्लिनिक की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही जिन बंदियों के पास वकील नहीं हैं, उन्हें निःशुल्क अधिवक्ता नियुक्त कर कानूनी सहायता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह अभियान मानसिक तनाव व अवसाद से जूझ रही महिला बंदियों की पहचान कर उनके लिए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने यह भी कहा कि अभियान के दौरान गर्भवती बंदियों को विशेष स्वास्थ्य सेवाएं, पौष्टिक आहार और प्रसव से जुड़ी सुविधाओं की भी व्यवस्था की जा रही है।

स्वास्थ्य जांच-टीकाकरण को प्राथमिकता दी जा रही

अशोक कुमार ने बताया कि जेलों में बंद महिलाओं के साथ रह रहे बच्चों के अधिकारों जैसे पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनोरंजन और पहचान पत्र की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान बच्चों की स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण जैसी सेवाओं को भी प्राथमिकता दी जा रही है। अशोक कुमार ने बताया कि कुछ महिला बंदियों को पैरा विधिक स्वयंसेवक के रूप में चयनित कर प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे अन्य बंदियों को कानूनी जागरूकता देने में मदद कर सकें। साथ ही, जेल में व्यावसायिक प्रशिक्षण व शिक्षा प्राप्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी जिससे उनके पुनर्वास में सहायता मिले। डीएलएसए द्वारा निरंतर निगरानी एवं सहायता जारी रहेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभार्थियों को वास्तविक रूप से सेवाएं प्राप्त हों।

मोदी सरकार ने 11 वर्ष में छाप छोड़ी अमित

■ बरवाला मंडल में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी, जिला हांसी के बरवाला मंडल में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता मंडल टध्यक्ष्ज्ञ मोनू संदूजा ने की जबकि मंच संचालन सभा सह संयोजक एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष पवन शर्मा ने किया। सभा में मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रधान अशोक सैनी, जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू व संजीव गंगवा शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा कि ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र ने 11 वर्ष में देश के हर वर्ग के हित में काम करके अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का 11 वर्ष का यह कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू ने कहा कि मोदी सरकार के 11 सालां में देश में बहुत बड़ा बदलाव हुआ है। आमजन के जीवन की तस्वीर बदल गई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 11 सालों में उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, पीएम मुद्रा और स्टैंड अप योजना, किसान सम्मान निधि, कौशल विकास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, पीएम स्वनिधि योजना, आयुष्मान योजना, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी अनेक योजनाएं शुरू की गई, जिनसे करोड़ों लोगों को सीधा लाभ पहुंचा है। युवा नेता संजीव गंगवा ने कहा कि 11 वर्ष पहले प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया का नारा दिया।

बरवाला। दीप प्रज्जवलित कर विकसित भारत संकल्प सभा का शुभारंभ करते भाजपा नेता। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष व पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू, संजीव गंगवा, सह संयोजक पवन शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष मुनीश गोयल, मोनू संदूजा मंडल अध्यक्ष, ताराचंद नलवा वाइस चेयरमैन, पंकज बादल, प्रवीण सैनी, संदीप वर्मा, सह संयोजक आशा देवी, प्रेम जांगड़ा, महेश शर्मा, सतीश गिल, रोशन घनघस, रोहताश सरपंच, वजीर सरपंच, डॉक्टर सुरेश जाखड़, सुरेश गोयल, राधे श्याम पार्षद, रामपाल पार्षद, कृष्ण सोनी, मान सिंह चौहान, हरिराम बहबलपुर, रमेश सरपंच, संदीप बाल्मीकि, काकू पार्षद व राकेश गर्ग आदि भी मौजूद रहे।

चयनित छात्रा कुमारी नेहा।

चयनित छात्रा प्रियंका।

चयनित छात्रा अनुपमा।

गुजवि की तीन छात्राओं का बायोमेरीक्स में प्लेसमेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

■ प्लेसमेंट ड्राइव में बायोटेक्नोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी कार्यक्रम के नौ विद्यार्थियों ने भाग लिया

यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से बायोमेरीक्स, दिल्ली के ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग की तीन छात्राओं का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने चयनित छात्राओं को बधाई दी और उनकी सफलता पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय का उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रम और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी वातावरण में कामयाब होने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि बायोमेरीक्स जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में नियमित प्लेसमेंट विश्वविद्यालय की अकादमिक और उद्योग दोनों क्षेत्रों में बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है। कुलसचिव डा. विजय कुमार ने भी चयनित छात्राओं को बधाई दी। प्लेसमेंट निदेशक डा. प्रताप सिंह ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में बायोटेक्नोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी कार्यक्रम के नौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बायोमेरीक्स प्लेसमेंट टीम से एचआर प्रमुख श्रेया नंदा और एचआर कार्यकारी मिशेल ट्रेडले को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने पूरी प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए बायोटेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल भानखड़, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक डा. केडी रावत व डॉ. मंजू यादव के समर्पित प्रयासों की भी सराहना की।

हत्या मामले में 21 लोगों पर केस दर्ज

■ बीच बचाव करने आए मां व ताऊ को किया था घायल

हिसार। सदर क्षेत्र के गांव हिंदवान में तेजधार हथियारों व डंडों से वार करके युवक नवीन की हत्या मामले में पुलिस ने 21 लोगों पर केस दर्ज किया है। पुलिस अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। लगभग 33 वर्षीय मृतक नवीन का रविवार को नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। हिंदवान गांव में शनिवार देर सायं कुछ लोगों ने तेज धारदार हथियारों व डंडों से हमला करके नवीन नामक युवक की हत्या कर दी थी। हमलावरों ने बीचबचाव करने आई उसकी मां सावित्री और ताऊ राजबीर को भी घायल कर दिया। परिजनों ने बताया कि नवीन बी.टेक था और अब आयुर्वेद से फार्मेसी कर रहा था। वह शादीशुदा था और उसकी करीब चार महीने की एक बेटी है। वह शनिवार को देर सायं गांव के बस स्टैंड पर मौजूद था। वह वहां से घर जाने लगा तो गली में एक पड़ोसी ने 15-20 साथियों के साथ तेज धारदार हथियार व डंडे लेकर उसे घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। नवीन ने खुद को छुड़वाने का प्रयास किया। हमले में वह गिर गया। हमले की सूचना मिलने पर मां सावित्री व ताऊ राजबीर मौके पर पहुंचे और बीच बचाव करने लगे लेकिन हमलावरों ने नवीन को छोडने की बजाय उन पर भी हमला कर दिया। इससे वे दोनों भी घायल हो गए। हमलावर धमकियां देते हुए फरार हो गए।

ओवरटेक करते समय दुग्ध वाहन से टकराई पिकअप

हांसी। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गढ़ी व सोरखी गांव के बीच सीएनजी पिकअप और दुग्ध गाड़ी आपस में टक्करा गई और टक्कर के बाद पिकअप में आग लग गई। इससे पिकअप गाड़ी का इंजन व केबिन जल कर राख हो गया। पिकअप गाड़ी में आग लगने की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया परंतु तब तक पुरी गाड़ी व गाड़ी में लोड सामान जलकर राख हो चुका था।

■ टक्कर के बाद पिकअप में लगी आग, ड्राइवर ने चलती गाड़ी से कूद बचाई जान

हांसी। आग लगने के बाद जली हुई पिकअप गाड़ी।

हादसा फरीदाबाद से आ रही एक सीएनजी पिकअप गाड़ी दुग्ध वाहन को ओवरटेक करते समय उससे टकरा गई, जिसके बाद पिकअप में भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में पूरी गाड़ी जलकर राख हो गई।

तपती लू में भी युवाओं का हौंसला नहीं हुआ कम, 300 यूनिट रक्त एकत्रित

रक्तदान सेवा, संस्कार और समर्पण का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ⏭आदमपुर

आदमपुर के राजकीय बहुतकनीकी की एनएसएस इकाई की ओर से विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान उत्सव एवं रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिविर में 300 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी हरिनिवास जांदू व समारोह के अध्यक्ष के तौर पर उपस्थित हरियाणा स्टॉफ सिलेक्शन कमीशन के सदस्य साधुराम जाखड़, समाजसेवी घीसाराम जैन, प्रदीप बेनीवाल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के सदस्य साधुराम जाखड़ ने रक्तदान की महत्ता पर बोलते हुए कहा रक्तदान केवल शरीर से रक्त देना नहीं है, यह मानवता के प्रति एक जीवंत संकल्प है। समारोह के संयोजक एनएसएस अधिकारी डा. राकेश शर्मा के निर्देशन में महाराजा अग्रसेन मेडिकल कालेज अग्रोहा की टीम ने डा. अनु की देखरेख में 116 यूनिट और हिसार नागरिक अस्पताल की टीम ने डा.जयप्रकाश व टेक्निकल आफिसर हरीश की देखरेख में 184 यूनिट रक्त का संगृहित किया। एनएसएस स्वयंसेविका लक्ष्मी, पायल व जावित्री ने रक्तदान पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को जोशीला बनाया तथा मंच संचालन राजीव शर्मा ने किया।

आदमपुर। शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करते अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे व्यापार मंडल प्रधान नवीन बैनीवाल, गौरव सिंगला, सतपाल भांभू, महेंद्र भादू, राजकुमार जांगड़ा, अंकित बंसल, नीरज सैनी, आनंद मोहन ऐलावादी, अनिल गोयल, प्रेम काजला, प्रेम ओशो, रमेश गांधी आदि ने रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया। टीम सदस्य धर्मवीर जांगड़ा ने बताया कि सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया और 10 या अधिक बार रक्तदान करने वालों को रक्तवीर सम्मान से नवाजा गया। एनएसएस अधिकारी डा.राकेश शर्मा ने 83वीं बार रक्तदान किया वही उनकी पत्नी आरती ने 29वीं बार रक्तदान किया। बरवाला से महेंद्र सेतिया ने 116वीं बार रक्तदान किया। राकेश कोहली ने 68वीं, सुमित बिश्नोई ने 46, गुरप्रीत सिंह ने 40, प्राध्यापक अशोक वशिष्ठ ने 35, पुनित मित्तल ने 27, संजय बागड़वा ने 25, भीष्म शर्मा ने 21, तपिश शर्मा ने 20वीं बार रक्तदान किया। इस उत्सव की सबसे खास बात यह रही कि 100 से अधिक युवाओं ने पहली बार रक्तदान कर नई शुरुआत की।

हरियाणवी पहनावा

हरियाणा का पारंपरिक पहनावा पुरुषों के लिए धोती, कुर्ता और पगड़ी, और महिलाओं के लिए घाघरा, चोली और चुंदड़ी है, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। हालांकि शहरी महिलाओं और पुरुषों में अब यह पहनावा कम ही देखने को मिलता है। युवाओं में तो आधुनिक वेशभूषा का ही क्रेज हैं। स्कूल व कॉलेजों के सांस्कृतिक समारोहों में जरूर यह पारंपरिक पहनावा देखने को मिल जाता है।

हमारी योग पद्धति का दुनिया में बज रहा डंका

भारत सरकार ने योग और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए हरियाणा के कई युवाओं को विदेशों में भेजा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने को लेकर प्रस्ताव रखा था, जिस पर 177 देशों ने सहमति दी थी। इसके तहत 11 दिसंबर 2014 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। पहली बार 21 जून 2015 को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और यह आज तक बदस्तूर जारी है।

भारत को योग का घर माना जाता है। योग की उत्पत्ति 5000 साल पहले उत्तरी भारतीय सिंधु सभ्यता में हुई थी। सिंधु घाटी सभ्यता में योग के अभ्यास के साक्ष्य मिले हैं। वैदिक काल में भी योग की परंपरा थी। ऋग्वेद में योग शब्द का उल्लेख मिलता है। शास्त्रीय काल में महर्षि पतंजलि ने योग सूत्र नामक ग्रंथ में योग के विभिन्न पहलुओं को व्यवस्थित रूप से संकलित किया था। वर्तमान काल में योग दुनियाभर में विभिन्न रूपों में प्रचलित है और इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है।

कुरुक्षेत्र के अजय राठी फिलहाल स्पेन में योग की शिक्षा का प्रचार कर रहे हैं। वे स्पेन के अलावा त्रिनिनाद, टोबागो, डोमिनिका, ग्रेनाडा, आदि देशों में योग गतिविधियों का सुपरविजन कर रहे हैं।

योग और संस्कृति

राज कुमार नरवाल

योग स्वस्थ तन एवं मन की प्राप्ति के लिए की जाने वाली एक क्रिया है। योग एक अत्यंत आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक अभ्यास है, जिसकी उत्पत्ति प्राचीन भारत में हुई थी। भारत को योग का घर माना जाता है। योग की उत्पत्ति 5000 साल पहले उत्तरी भारतीय सिंधु सभ्यता में हुई थी। सिंधु घाटी सभ्यता में योग के अभ्यास के साक्ष्य मिले हैं।

वैदिक काल में भी योग की परंपरा थी। ऋग्वेद में योग शब्द का उल्लेख मिलता है। शास्त्रीय काल में महर्षि पतंजलि ने योग सूत्र नामक ग्रंथ में योग के विभिन्न पहलुओं को व्यवस्थित रूप से संकलित किया था। वर्तमान काल में योग दुनियाभर में विभिन्न रूपों में प्रचलित है और इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है। साल 2014 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। जिस पर 177 देशों ने अपनी सहमति जताई थी। 11 दिसंबर 2014 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। पहली बार 21 जून 2015 को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। तब से हर साल 21 जून को दुनियाभर के देशों में योग दिवस जोश के साथ मनाया जाता है। हरियाणा में भी प्राचीन समय से ही योग की परंपरा रही है। शुरू से ही यहां पर कसरत, कबड्डी व कुश्ती जैसे क्रिया कलाप होते रहे हैं। यहां तक कि शिक्षा के केंद्रों में भी विद्यार्थियों को इनका अभ्यास करवाया जाता रहा है। हरियाणा के लोगों को बचपन से ही शारीरिक श्रम करने का शौक रहा है। आज भी हरियाणा के अनेक खिलाड़ी ओलंपिक खेलों में मेडल जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

विदेशों में योग सिखा रहे हरियाणवी

हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों से कई योग शिक्षक विदेशों में इंडियन कल्चर डिप्लोमैट के तौर पर योग और भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। महम के खरकड़ा गांव से डॉ. सोमवीर आचार्य सुरीनेम में भारतीय योग दर्शन, हिंदी, संगीत, नृत्य आदि का फैलाव कर रहे हैं। डॉ. सोमवीर आचार्य ने बताया कि कुरुक्षेत्र के अजय कुमार राठी फिलहाल स्पेन में योग की शिक्षा का प्रचार कर रहे हैं। वे स्पेन के अलावा त्रिनिनाद, टोबागो, डोमिनिका, ग्रेनाडा, मोन्सट्रेट आदि देशों में योग गतिविधियों का सुपरविजन कर रहे हैं। अजय कुमार राठी इससे पूर्व रूस और चीन में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इससे पहले भारत सरकार ने पानीपत के कवि गांव निवासी डॉ. देवेंद्र सिंह को हांगकांग, फरीदाबाद के मनोज को स्पेन, झज्जर से जयवंती सिंह को स्लोवाकिया, झज्जर के आशीष गहलावत को सऊदी अरब, डीघल के राम अहलावत को रूस में, बरहाना से अजीत अहलावत को पोर्ट मोरेस्बई, मातनहेल गांव की बहु सोनू को बेल्जियम भेजा था। इनके अलावा भी हरियाणा के कई युवक युवतियां विदेशों में योग एवं प्राणायाम और भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार करने में जुटे हैं

डॉ. सोमवीर आर्य (द्वितीय सचिव) सांस्कृतिक राजदूत, भारतीय राजदूतावास, सूरीनाम, दक्षिणी अमेरिका।

भारतीय संस्कृति और योग के शिक्षक रोहतक, (हरियाणा) निवासी डॉ. जसबीर उच्चायोग के आधिकारिक क्षेत्र अकरा, घाना में योग गतिविधि की देखरेख करते हैं।

योग के मुख्य अंग

यम : सामाजिक आचरण (सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह)
नियम : व्यक्तिगत आचरण (शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वरप्रणिधान)
आसन : शारीरिक मुद्राएं
प्राणायाम : श्वास नियंत्रण
प्रत्याहार : इंद्रियों को नियंत्रित करना
धारणा : एकाग्रता
ध्यान : चिंतन
समाधि : ध्यान की चरम अवस्था।

आज, योग एक लोकप्रिय व्यायाम और कल्याण पद्धति के रूप में दुनिया भर में जाना जाता है। योग का नियमित अभ्यास शरीर को स्वस्थ और लचीला बनाता है, मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करता है, और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है।

योग प्रोटोकॉल में शामिल मुख्य बातें

प्रार्थना : योग अभ्यास की शुरुआत से पहले, शांति और सकारात्मकता के लिए प्रार्थना की जाती है.

चालन क्रिया : शरीर को वार्म-अप करने और लचीलापन बढ़ाने के लिए, गर्दन, कंधे, कमर, और घुटनों की चालन क्रियाएं की जाती हैं.

आसन : योग के मुख्य भाग में, विभिन्न आसन (जैसे खड़े होकर, बैठकर, पेट के बल, और पीठ के बल) किए जाते हैं.

प्राणायाम : सांस लेने की तकनीकें, जैसे कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, और शीतली, शरीर और मन को शांत करने के लिए की जाती हैं.

ध्यान : ध्यान के माध्यम से, एकाग्रता और मानसिक शांति प्राप्त करने का अभ्यास किया जाता है.

संकल्प : योग अभ्यास के अंत में, एक सकारात्मक संकल्प लिया जाता है, जो पूरे दिन के लिए प्रेरणा प्रदान करता है.

शांति पाठ : योग सत्र के समापन पर, शांति और सद्भाव के लिए शांति पाठ किया जाता है।

कृष्ण, महावीर व बुद्ध ने भी योग का विस्तार किया

भगवान शंकर के बाद वैदिक ऋषि-मुनियों से ही योग का प्रारम्भ माना जाता है। बाद में कृष्ण, महाबीर और बुद्ध ने इसे अपनी तरह से विस्तार दिया। इसके पश्चात पतंजलि ने इसे सुव्यवस्थित रूप दिया। इस रूप को ही आगे चलकर सिद्धपंथ, शैवपंथ, नाथपंथ, वैष्णव और शाक्त पंथियों ने अपने-अपने तरीके से विस्तार दिया।

सामान्य योग प्रोटोकॉल में ये अभ्यास शामिल

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, सामान्य योग प्रोटोकॉल में प्रार्थना, योग आसन (जैसे ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, शवासन), प्राणायाम (जैसे कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, शीतली), ध्यान, संकल्प, और शांति पाठ जैसे अभ्यास सिखाए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर, आयुष मंत्रालय द्वारा जारी सामान्य योग प्रोटोकॉल में इन अभ्यासों को शामिल किया गया है, ताकि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके।

कविता | डॉ. शील कुमार

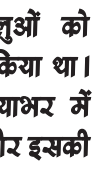

भारत की हो जय जयकार

परम वैभवी भारत बणज्यआ,
संघ शक्ति का हो विस्तार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,
भारत की हो जय जयकार।।

ना भेद-भाव हो मन मैं,
ना मंदिर-कुआं न्यारा हो।
ना जात-पात हो दिल मैं,
बस सबका भाई चारा हो।
सामाजिक समरसता होज्या,
मिट ज्यागी सारी तकरार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,.....

कुटुंब प्रबोधन करकै,
घर मैं सबनै सम्मान मिलै।
हों बालक आज्ञाकारी,
और देश-धर्म का ज्ञान मिलै।
टुटणै तै परिवार बचैंगे,
घर मैं बणे रहं संस्कार।
पांच करैं परिवर्तन जग [redacted],.....

स्व का भाव जगाकै,
स्वदेशी का इब ध्यान करो।
स्वभाषा व संस्कृति,
महापुरुषों पै अभिमान करो।
उज्ज्वल अपणी परम्परां सैं,
जीवन का सैं ये आधार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,.....

इब पाणी खूब बचाणा,
और प्लास्टिक दूर भगाणा सै,
पौधे नये लगाकै,
पर्यावरण बचाणा सै।
शुद्ध हवा और पाणी होज्या,
स्वस्थ रहैगा सब संसार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,.....

हों यातायात के नियम,
चाहे बिजली फेर बचाणी हो।
सरकारी सम्पत्ति की,
हांम कदै करां ना हानि हो।
नागरिक के कर्तव्य निभावां,
भारत मां के पहरेदार।
पांच करैं परिवर्तन जग मैं,.....

रागनी | भूपसिंह भारती

पेड़ ही पेड़ लगाओ

जग म्ह जीणे की खातिर, पौधे पांच लगाओ।
सूखी अर वीरान धरा नै, फेर तै हरी बणाओ।।

धरती की हम करा रूखाली, बण कै सच्चे माली,
फळ फुलां तै लदी रहै सै, म्हारी एक एक डाली,
फेर करी क्यूं नजर कुढ़ाली, हमनै काट बगाओ।

गहरी सीली छाया द्याँ, अर [redacted]वां हम अन्न पाणी,
जीव जंतु संतान सगी रै, ना समझी कदे बिराणी,
कदे ना कदर पिछाणी, थम म्हारा गळ कटवाओ।

समझ नहीं थारै आई, हम धरती के आभूषण,
पर्यावरण नै शुद्ध करा, भई करकै दूर प्रदूषण,
पेड़ करै सबका पोषण, थम शोषण नै रुकवाओ।

सब बातां नै छोड़ कै सारे, मिल कै शपथ उठाओ,
पेड़ो की रखवाळ करो अर, पेड़ ही पेड़ लगाओ,
कहै 'भारती' पेड़ लगाकै, इणका संताप मिटाओ।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

केश विन्यास | हरियाणवी महिलाओं की गौरवशाली पहचान चूंडा साफ-सुथरी और व्यवस्थित जीवनशैली का प्रतीक कहलाता था

चूंडा : विलुप्त होती एक हरियाणवी परंपरा

शृंगार | आशा कुमारी

हरियाणा की सांस्कृतिक परंपराएं जितनी गहरी हैं, उतनी ही आकर्षक भी हैं। लोकगीत, पहनावा, बोली और नृत्य के साथ-साथ यहाँ की स्त्रियों की सजने-संवरने की शैली भी समय-समय पर लोगों का ध्यान आकर्षित करती रही है। ऐसी ही एक विलुप्त होती परंपरा है 'चूंडा' बनाने की हेयरस्टाइल, जो कभी हरियाणा की पहचान और ग्रामीण स्त्रियों की शोभा मानी जाती थी।

चूंडा क्या होता है?

चूंडा एक पारंपरिक हेयर स्टाइल थी जिसमें महिलाओं के बालों को अलग-अलग सेक्शनों में बाँटकर, बारीकी से छोटी-छोटी चोटियों में गूंथा जाता था। फिर उन सभी चोटियों को मिलाकर सिर के ऊपरी हिस्से पर एक गोल जूड़ा बनाया जाता था। इस जूड़े को सजाने और स्थिर रखने के लिए काले रंग के सूती धागों की मदद से बालों को बाँधा और लपेटा जाता था। ये काम गाँव की एक विशेष महिला जिसे 'नाण' कहा जाता था, करती थी। 'नान' वह स्त्री होती थी जो अनुभवी होती थी चूंडा बनाने में। हर गांव में एक-दो नाण होती थीं जो त्योहारों, शादी-ब्याह और विशेष अवसरों पर युवतियों और महिलाओं से उपहार भी प्राप्त करती थी। आप कह सकते हैं नाण पुराने जमाने की ब्यूटीशियन होती थी। चुटिला जो काले सूती धागों से बनता था, का इस्तेमाल सबसे ज्यादा चूंडा बनाने के लिये होता था। शादी या त्योहार के अवसरों पर काले धागे जिनके छोर पे लाल, पीले, हरे जैसे रंगीन धागों को भी इस्तेमाल किया जाता था। बालों को बाँधकर आखिर में चूंडे को इन्हीं कपड़ों से लपेटकर एक साफ-सुथरी और सुंदर आकृति दी जाती थी।

हर दिन नहीं धोए जाते थे बाल

उस समय बालों को जल्दी-जल्दी नहीं धोया जाता था। आमतौर पर महिलाएं सप्ताह में एक बार बाल धोती थीं, और बाकी दिनों में चूंडा बनाने की वजह से बाल धूल और गंदगी से सुरक्षित रहते थे। गूंथे हुए बाल उलझते नहीं थे, और न ही खुले बालों की तरह चेहरे पर आते थे। इस प्रकार चूंडा एक साफ-सुथरे और व्यवस्थित जीवनशैली का प्रतीक था। हरियाणवी बोली में चूंडा को लेकर कई मुहावरे और कहावतें प्रचलित थीं। जैसे कि 'चूंडा पाड़ देना' जो लड़ाई की तीव्रता को दर्शाने के लिए प्रयोग किया जाता था।

लोकनृत्य में चूंडे की प्रतीकात्मकता

आज भले ही महिलाएं रोज चूंडा न बनाती हों, लेकिन हरियाणवी नृत्य में यह आज भी जीवित है। नर्तकियाँ अपने सिर पर एक कोन जैसी आकृति (कार्डबोर्ड या कागज की बनी) रखती हैं, जो चूंडे का ही प्रतीक होती है।

यह न केवल एक सजावट होती है, बल्कि यह दर्शकों को हरियाणवी संस्कृति की जड़ों से जोड़ने का काम करती है। इसलिए फिल्मों में भी हरियाणवी पोषाक के साथ सिर पर चूंडे को दर्शाया जाता है। चूंडा बनाना अक्सर अकेले नहीं होता था। नाण जब महिलाओं के बाल बनाती थीं, साथ बैठकर गप्पें मारती थीं, लोकगीत गाती थीं और एक-दूसरे को गाँव की सारी खबरें देती थी। इससे शायद सोशल मीडिया की कमी कुछ पूरी होती होंगी। यह एक सामूहिकता का अनुभव था। इसमें आपसी रिश्ते भी मजबूत होते थे और परंपरा भी आगे बढ़ती थी। आज के समय में, जब जीवन की रफ्तार तेज हो गई है और फैशन ट्रेंड्स इंस्टाग्राम से तय होते हैं, ऐसे में चूंडा जैसी परंपराएं पीछे छूटती जा रही हैं। अब शायद ही किसी लड़की या महिला के सिर पर वह खूबसूरत चूंडा दिखता है, जो उसकी दादी या नानी कभी बनाती होंगी।

संस्कृति की चोटी पर बंधी स्मृति

चूंडा न केवल एक जूड़ा होता था, बल्कि हरियाणवी स्त्री की गौरवशाली पहचान थी। यह बालों के सजने से कहीं ज्यादा, परंपरा, स्त्रीत्व और सौंदर्य का प्रतीक था। आज जब हम अपनी संस्कृति की ओर पुनः लौटने की बातें कर रहे हैं, तो हमें ऐसी छोटी-छोटी परंपराओं को भी संजोकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना होगा।

फिर से दिलानी होगी पहचान

हरियाणा के कलाकार चाहें तो अब चूंडा जैसी शैलियों को फिर से पहचान दिलाने की कोशिश कर सकते हैं? इसके लिए लोकनृत्य प्रशिक्षण, गांवों में आयोजित सांस्कृतिक मेलों और स्कूलों की लोककला कार्यशालाओं में चूंडा बनाना सिखाया जा सकता है। युवतियां भी अब इसे एक 'विंटेज हेयरस्टाइल' के रूप में देख सकती हैं।

लोक साहित्य की वाचन परंपरा का खास महत्व : रविन्द्र रवि

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति में लोक साहित्य को अपनी आवाज के जादू से नया आयाम देते आ रहे रविन्द्र कुमार रवि अनूठी साधना में जुटे हैं। मसलन कवि सम्मेलन, काव्य मंच, आकाशवाणी व टीवी चैनलों के माध्यमों से साहित्य की विधाओं को स्थान मिलता रहा है, लेकिन वह सोशल मीडिया पर साहित्य की वाचन-परंपरा का नया चितेरा बनकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके हैं, जो करीब नौ वर्षों से हिंदी और हरियाणवी में अपनी कलम और आवाज के जादूगर के रूप में एक मजबूत व्यक्तित्व और बेहतरीन मंच संचालक के रूप में उभरे हैं।

अंग्रेजी शिक्षक एवं साहित्यविद्, लेखक एवं आवाज के जादूगर रविन्द्र कुमार रवि ने हरिभूमि संवाददाता से बातचीत के दौरान कई ऐसे तथ्यों को उजागर किया है, जिसमें वह अपनी वाचन कला की प्रतिभा के बल पर हरियाणवी संस्कृति में लोक साहित्य की वाचन परंपरा को देशभर की रचनाधर्मिता से जोड़े हुए हैं। रविन्द्र कुमार 'रवि' का जन्म 18 जुलाई 1978 को हरियाणा के रेवाड़ी जिले के गांव सुरेहली में फतेह सिंह और चंद्रकला के घर में हुआ। उनके पिता सेना में देश की सेवा में रहे तथा माता गृहणी के रूप में धार्मिक प्रवृत्ति के साथ परिवार को संस्कार देने में जुटी रही। परिवार में कोई साहित्यिक और सांस्कृतिक माहौल नहीं रहा, लेकिन बचपन से रेडियो सुनने के शौकीन रहे रविन्द्र रवि यादव लोक संस्कृति पर आधारित काव्य सृजन यानी काव्य मंचों पर तरन्नुम में मधुरकंठी काव्यपाठ से छाप छोड़ने में माहिर हैं। पठन पाठन, वाचन, संगीत सुनना, हिंदी हरियाणवी में लिखना उनकी अभिरुचि में समाया हुआ है। रवि ने नाहड़ के सरकारी कालेज से स्नातक, मोरनी हिल्स से जेबीटी की पढ़ाई पूरी की, जिसके बाद छह वर्ष तक एक प्राइवेट स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत रहे। इनकी बाद में दिल्ली सरकार के स्कूल में अंग्रेजी के जेबीटी शिक्षक के तौर पर नियुक्ति हुई। इसके साथ ही वह अपने लोक साहित्य को नया आयाम देते हुए रचनात्मक कार्य में जुटे रहे। वर्ष 2016 में वे बोल हरियाणा के एक बड़े मंच से जुड़े और उनकी इस कला की प्रतिभा को ऐसे पंख लगे कि उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बकौल रवि उन्होंने बोल हरियाणा देश के विभिन्न कोनों के वरिष्ठ रचनाकारों की चार सौ से ज्यादा लघुकथाओं तथा 'बोल किताबों ताई के' नामक शीर्षक से अपनी हरियाणवी रचनाओं की एक लंबी श्रृंखला को स्वर देकर विशिष्ट पहचान बनाई। अब तक वह करीब पांच सौ बोल किताबो ताई के लिख चुके हैं। फोटो आधारित इन छह पंक्तियों में हरियाणवी जीवन के हर पहलू को लिखने का प्रयास किया है। वहीं उन्होंने कोरोना काल में अपने उक्त स्थायी स्तंभों के अलावा एक चिट्ठी अपनों के नाम, माई लाइफ ड्यूरिंग लॉकडाउन, आपके जज्बात के साथ आदि समसामयिक स्तंभों का लेखन करके अपना रचनात्मक योगदान दिया है। उनका कहना है कि अंग्रेजी उनके कार्य क्षेत्र के लिए एक विषय है, लेकिन हिन्दी भाषा रगों में रची-बसी है और हरियाणवी मां बोली है।

यहां से मिली मंजिल

आवाज के जादूगर रविन्द्र रवि ने बताया कि उनकी इस रचनात्मक यात्रा में जनवरी 2019 में एक नया पड़ाव उस समय आया, जब उन्होंने इसी परंपरा पर आधारित नवाचारी प्रकल्प प्रारंभ किया। बोलता साहित्य-विद रवि यादव नामक इस यूट्यूब चैनल के माध्यम से उन्होंने फिर नए प्रयोग करने शुरू किए। इसी माध्यम से वह अभी तक शताधिक लघुकथाएं, करीब एक दर्जन कहानियां, डेढ़ सौ से ज्यादा कविताएं, काफी ज्यादा संख्या में समीक्षाएं, संस्मरण, पत्र आदि रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर चुके हैं। वह विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन भी कर चुके हैं तथा प्रसारित संस्मरणों पर आधारित कुटुंब नामक एक ई-बुक भी लॉन्च कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि कथा कहानी कार्यक्रम में 400 से ज्यादा लघुकथाओं का प्रसारण हुआ इसके साथ-साथ बड़ी कहानियां एवं कविताओं का भी प्रसारण रेडियो बोल हरियाणा पर हुआ। आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति को लेकर रविन्द्र कुमार रवि का कहना है कि हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत सदियों पुरानी और समृद्ध रही है। हरियाणा की लोक संस्कृति, कला, रंगमंच और साहित्य ने सदा से समाज को दिशा दी है। इस आधुनिक युग में भी लोक कला और संस्कृति ने अपना विशिष्ट स्थान बए रखा है।

पुरस्कार और सम्मान

अपनी इस अनूठी साहित्यिक कला की साधना में जुटे रविन्द्र रवि को अनेक सम्मानों से नवाजा जा चुका है, जिनमें प्रमुख रुप से बोल हरियाणा गौरव सम्मान, लघुकथा हितैषी सम्मान, हिंदी गूंज पुरस्कार, हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए हिन्दी सेवी सम्मान, शिक्षा के क्षेत्र में आउट स्टैंडिंग टीचर ऑफ डेल्ही शिक्षक सम्मान, वेस्ट दिल्ली जोनल बेस्ट टीचर अवॉर्ड, यूनेस्को के वर्ल्ड वाइड न्यूज लेटर में सम्मान के अलावा अनेक सामाजिक,साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से भी अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं।

खबर संक्षेप

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में फादर्स डे मनाते समाजसेवी व विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि।

मोक्ष वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ केक काटकर मनाया फादर्स डे

हिसार। बुजुर्गों को निशुल्क आवास, भोजन व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले मोक्ष वृद्धाश्रम में फादर्स डे धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके बुजुर्गों को पितृ दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। बुक वॉर्मस एंड एमएनएस द स्टूडियो के तत्वावधान में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम के दौरान केक काटकर बुजुर्गों का मुंह मीठा करवाया गया। इस दौरान मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु, स्टूडियो की संचालिका काशनी तायल, अभिनव तायल, जगदीप भार्गव, अनुभा तायल, अन्नु भार्गव, कर्णदेव तायल व आशा क्वात्रा सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रक्तदान पर बनाई रंगोली का अवलोकन करते अतिथिगण।

रक्तदान पर बनाई रंगोली बनी आकर्षण का केंद्र

आदमपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर गवर्मेंट पालीटेक्निक आदमपुर की एनएसएस इकाई द्वारा टीम हेल्प फोर यू के सहयोग से एक शानदार रक्तदान उत्सव एवं सम्मान समारोह में रक्तदान पर बनाई रंगोली आकर्षण का केंद्र रही। अवलोकन करते हुए हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के सदस्य साधुराम जाखड़ ने कहा कि रक्तदान सिर्फ जीवन बचाने का कार्य नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, सेवा भावना और मानवीयता का प्रतीक है। कार्यक्रम संयोजक एवं प्रभारी डा. राकेश शर्मा ने जिला रेडक्रास सोसायटी का आभार प्रकट करते हुए बताया कि सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

बरवाला। गांव बालक में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के पुत्र संजीव मंगवा को सम्मानित करते गौशाला कमेटी।

गऊ सेवा होती है सबसे उत्तम सेवा: संजीव गंगवा

बरवाला। निस्वार्थ भाव से जो व्यक्ति गऊ सेवा करता है उस इंसान को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होती है। गऊ सेवा सबसे उत्तम सेवा होती है।

यह बात कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के पुत्र संजीव गंगवा ने गांव बालक में श्री कृष्णा श्री श्री 1008 बाबा ऋद्धनाथ गऊशाला बालक का दौरा करने के बाद उपस्थित लोगों से कही। गौशाला कमेटी ने कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा के पुत्र संजीव गंगवा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। मौके पर गऊशाला के प्रधान महाबीर सिंह, उपप्रधान चांदी राम रेड्डू, बलजीत सिंह, साधुराम रेडडू, रोशन शर्मा बालक, कुलदीप सिंह रेड्डू, बीर, नरेश कुमार, बलवंत सिंह रेड्डू पूर्व सरपंच आदि मौजूद रहे।

पतंजलि योग समिति का सह-योग शिक्षक प्रशिक्षण योग शिविर शुरू

योग केवल शारीरिक ही नहीं मानसिक व आत्मिक शुद्धि का माध्यम भी: डॉ. कपेंद्र

■ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। योग शिविर में उपस्थित पदाधिकारी व साधक तथा शिविर में योग करवाते पतंजलि के पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में पतंजलि योग समिति की ओर से जाट कॉलेज मैदान में सह-योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर रविवार को शुरू हुआ। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कपेन्द्र ने दीप प्रज्वलित करके इसका शुभारंभ किया। यह प्रशिक्षण शिविर 29 जून तक प्रतिदिन प्रातः पांच से सात बजे तक संचालित किया जाएगा। साथ ही, बाल संस्कार शिविर का आयोजन भी प्रतिदिन सायं छह बजे से किया जाएगा। योग शिविर में भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति के जिला महामंत्री सुनील कुमार, प्रवक्ता सुरेंद्र पानू हिन्दुस्तानी तथा योगाचार्य मांगेराम जी ने साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान अभ्यास करवाया। उन्होंने योग के वैज्ञानिक लाभों एवं समाज में इसके बढ़ते महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया, जिनमें संजीव शर्मा, बलराज मलिक, राजवीर बल्हारा, डीपी शक्ति सिंह, राजकंवर, जितेंद्र, अजय एलावादी, संतरो, ज्योति शर्मा, सूरजमल कक्षा से सरोज, शमशेर पूनिया, अभिषेक सोलंकी व योग साधकों सहित शहर के गणमान्य व्यक्ति प्रमुख रूप से शामिल रहे। मुख्य अतिथि डॉ. कपेन्द्र ने अपने संबोधन में योग को जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि यह न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और आत्मिक शुद्धि का भी माध्यम है। उन्होंने इस आयोजन की सराहना की और नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया। सुरेन्द्र हिन्दुस्तानी ने बताया कि यह शिविर पतंजलि योग समिति का एक प्रेरणादायक प्रयास है जो जन-जन को योग से जोड़कर स्वस्थ, संयमित जीवन की दिशा में अग्रसर कर रहा है।

आदमपुर। योग शिविर का शुभारंभ करते समाजसेवी हरि निवास जांदू व अन्य।

भारत विकास परिषद का शिविर शुरू

आदमपुर। भारत विकास परिषद् शाखा मंडी आदमपुर की ओर से हुडा पार्क में सात दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर के प्रथम दिवस पर योग के महत्व को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। शाखा अध्यक्ष एडवोकेट अनिल गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरिनिवास जांदू ने शिरकत की। उन्होंने योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया और कहा कि योग न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक शांति का भी प्रमुख साधन है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में घीसाराम जैन एवं रमेश गांधी भी उपस्थित रहे। दोनों ने भारत विकास परिषद् द्वारा किए जा रहे इस जनकल्याणकारी कार्य की सराहना की और निरंतर योग को अपनाने का संदेश दिया। शिविर की शुरुआत प्रातः 5:30 बजे हुई जिसमें लगभग 150 की संख्या में नगरवासियों ने भाग लिया। योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों में विशेष उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिली। संस्थापक अध्यक्ष सुशील सदलपुरिया, शाखा अध्यक्ष एडवोकेट अनिल गोयल, सचिव प्रेम काजला, चंद्रशेखर शर्मा, राजकुमार गोयल, रजनीश गर्ग, संदीप गोयल, महेश, अशोक सोनी, कृष्ण दत्त धमीजा, विनोद गोयल, डॉ. मनोज, डॉ. बेनीवाल एवं रानी बंसल, नीतू गोयल, ममता गर्ग, बबीता बंसल, दुर्गा गोयल एवं परिषद के अन्य सदस्यों,पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत करते हुए योग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन योग प्रशिक्षक अशोक आर्य, एडवोकेट सुनील बिश्नोई व सोनिका बिश्नोई द्वारा सुव्यवस्थित एवं अनुशासित ढंग से हुआ।

श्री रामलीला कमेटी के दिवंगत सदस्यों के स्थान पर परिजनों को आजीवन सदस्यता फिलहाल नहीं

हिसार। श्री रामलीला कमेटी कटला के पूर्व एडहॉक कमेटी सदस्य एवं सजग के प्रदेशाध्यक्ष वास्तु आर्किटेक्ट सत्यपाल अग्रवाल ने कमेटी प्रशासक एनके गोयल से मुलाकात कर आजीवन सदस्यों की सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि दिवंगत आजीवन सदस्यों के परिजनों द्वारा संस्था से जुड़ने की इच्छा और वर्तमान आजीवन सदस्यों की मांग को ध्यान में रखते हुए। उन्होंने पांच दिवंगत सदस्यों के परिजनों की ओर से सदस्यता अनुरोध पत्र तथा 35 आजीवन सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित समर्थन पत्र जिला रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं सोसाइटीज, हिसार कार्यालय को सौंपा है। ज्ञापन सौंपने के उपरांत जिला रजिस्ट्रार की अनुपस्थिति में ईओ नवनीत कुमार से हुई मुलाकात में अग्रवाल को बताया गया कि यह निर्णय आगामी निर्वाचित कार्यकारिणी के विवेक पर निर्भर करेगा।

एलएलबी व एलएलएम कोर्सेज में दाख़िला प्रक्रिया आज से शुरू

■ वर्ष 2020 में एलएलएम दो वर्षीय कोर्सिस शुरू किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

दानवीर सेठ छाजू राम विधि महाविद्यालय गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबंधित एक विधि महाविद्यालय है। इसकी स्थापना वर्ष 2003 में एलएलबी तीन वर्षीय कोर्स के लिए की थी। इसके बाद वर्ष 2009 में बीएएलएलबी पांच वर्षीय कोर्स तथा वर्ष 2020 में एलएलएम दो वर्षीय कोर्सिस शुरू किए गए।

अंतिम तिथि 30 जुलाई

छाजूराम विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार काजल ने बताया कि छाजूराम लॉ कॉलेज के एलएलबी तीन वर्षीय कोर्स व एलएलएम दो वर्षीय कोर्स में दाखिले 16 जून से प्रारम्भ हो रहे हैं तथा अंतिम तिथि 30 जुलाई है। एलएलबी के कोर्स में दाखिला लेने के लिए बीए व एमए में दाखिला लेने के लिए कम से कम 45 प्रतिशत अंक जनरल कैटेगरी के लिए तथा आरक्षित श्रेणी एससी व एसटी के लिए 40 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं।

एलएलएम में दाखिले के लिए जनरल कैटेगरी के लिए 50 प्रतिशत तथा एससी व एसटी के लिए 45 प्रतिशत अंक एलएलबी व बीएएलएलबी में निर्धारित किए गए हैं। ज्ञात रहे कि बीएएलएलबी में दाखिले के लिए अंतिम तिथि 6 जुलाई है। इन सीटों पर दाखिला मेरिट के आधार पर होगा। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, दाखिला प्रक्रिया आदि से संबंधित संपूर्ण जानकारी सीआर लॉ कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है। दानवीर सेठ छाजू राम विधि महाविद्यालय जाट एजुकेशनल सोसायटी के तहत एक विधि महाविद्यालय है। इसके प्रधान दिलदार सिंह पूनिया के मार्गदर्शन में यह महाविद्यालय दिन दोगुनी रात चौगुनी प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

शांति नगर कुटिया में धूमधाम से मनाया गया दीक्षा दिवस

हिसार। परमहंस श्रीयोग दरबार ब्रह्म ज्ञान मंदिर, शांति नगर के तत्वाधान में मंदिर प्रांगण में ब्रह्मलीन संत उपरामानंद महाराज का दीक्षा दिवस समारोह मनाया गया। सर्वप्रथम श्रीसुन्दरकांड का पाठ किया गया व अशोक वाटिका के रुप में दरबार सजाया गया। पाठ की समाप्ति पर अनेक भजन गायकों ने भजनों की वर्षा करके समां बांध दिया। इस अवसर पर संत रामानंद सहित अन्य संतों ने अपने आर्शीवचन दिए। इस दौरान संत मंडली ने केक भी काटा। समारोह में उपस्थित भक्तों ने संत उपरामानंद महाराज को याद करते हुए उनके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने के अपने संकल्प को दोहराया। समाजसेवी डॉ. तिलकराज ढींगड़ा व सुमन ने सभी संत मंडली का सम्मान किया। कार्यक्रम की समाप्ति पर भंडारा चलाया गया।

सेल्फ हिप्नोसिस आध्यात्मिक विकास व आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक : संजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित दो दिवसीय ध्यान शिविर में हिस्सा लेते साधक।

आत्म-सम्मोहन कला पर आधारित दो दिवसीय ध्यान शिविर आत्मविश्वास व आध्यात्मिक विकास के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित कि गए इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और ध्यान की विभिन्न विधियों को समझकर उनका अभ्यास किया। स्वामी संजय, मां सांची व मां प्रियांशी ने आत्म-सम्मोहन कला से जुड़े विविध आयामों को स्पष्ट करते हुए इस कला को आत्मसात करने का आह्वान किया। स्वामी संजय ने कहा कि मनुष्य बहुत बार श्रेष्ठ कार्य करने का संकल्प लेता है लेकिन फिर वह डगमगा जाता है। ऐसी स्थिति में आत्म-सम्मोहन कला से संकल्प को प्रगाढ़ किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सेल्फ हिप्नोसिस से मनुष्य में आत्मविश्वास का संचार होता है और उसका आध्यात्मिक विकास भी होता है। ओशो ध्यान उपवन में इस शिविर के साथ ही रविवारीय ध्यान सत्र का आयोजन भी किया गया।

यूपीएससी 2025 में सफल अभ्यर्थियों का सम्मान

■ होनहारों का जाट सेवक संघ ने किया भव्य सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। जाट सेवक संघ के कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री श्रुति चौधरी, संगठन के पदाधिकारी व यूपीएससी में चयनित समाज के युवा।

जाट सेवक संघ की ओर से एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन संघ द्वारा समाज के उन होनहार युवाओं के सम्मान में किया गया, जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित परीक्षा 2025 में सफलता प्राप्त कर पूरे समाज व क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल इन प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को सम्मानित करना था, बल्कि उनके अनुभवों को समाज के अन्य युवाओं से साझा कर उन्हें भी प्रेरणा देना रहा। सफल अभ्यर्थियों में सिमरन खर्ब पाजू खुर्द (सफीदो), प्रियंका सिवाच (गोहाना), विजया लक्ष्मी (ठरवा) विकास कुंडू(पिल्लूखेडा), अंकिता श्योराण(घनासरी, चरखी दादरी) साहिल देशवाल (सुरेहती, झज्जर), सचिन पंवार (भिवानी), पूजा महला (पिलानी) व हर्षिता कादयान (हिसार) ने मंच से अपने संघर्ष, रणनीतियों और तैयारी के अनुभवों को साझा करते हुए युवाओं को देश सेवा और उच्च लक्ष्यों की ओर अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित किया। सभी सफल अभ्यर्थियों को संघ द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास और सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी मुख्य अतिथि रही। उन्होंने अपने सम्बोधन में समाज की इस पहल की सराहना करते हुए सफल आयोजन के लिए जाट सेवक संघ को बधाई दी।

शून्य से पूर्णता की ओर ब्रह्मनाद ध्यान : आचार्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में आयोजित ध्यान कार्यक्रम में भाग लेते साधक।

समर्थगुरु संघ के तत्वाधान में कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में संडे ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज का सेशन लेते हुए आचार्या मां किरण ब्रह्मनाद ध्यान करवाया। आचार्या ने ब्रह्मनाद ध्यान करवाते हुए कहा कि ब्रह्मनाद एक आंतरिक चेतना का जागरण है और यह बहुत ही गहरा और आध्यात्मिक विषय है, जो योग और ध्यान की उस अवस्था से जुड़ा है जहां साधक अपने भीतर के दिव्य स्वर (नाद) को सुनता है और आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ता है। यह एक शक्तिशाली ध्यान तकनीक है जिसका उद्देश्य व्यक्ति को ब्रह्मांडीय चेतना से जोडना है। यह ध्यान हमें अपनी सीमित पहचान से परे जाकर, संपूर्ण ब्रह्मांड के साथ एकाकार होने का अनुभव कराता है। इसे अक्सर विस्तार का ध्यान या अनंतता का ध्यान भी कहा जाता है। ये ध्यान करने से मनुष्य को सीमित पहचान से मुक्ति मिलती है और एकात्मता का अनुभव होता है। प्रत्येक रविवार सुबह 7 से 9 बजे समर्थगुरु संघ हिसार अपने साधना केंद्र मिर्जापुर रोड, कौशिक नगर में ध्यान के कार्यक्रम का आयोजन करता है, जो कि सभी के लिए निःशुल्क होता है और प्रशिक्षित आचार्य ही वो ध्यान का सेशन लेते हैं। ध्यान के बाद समर्थगुरु संघ हिसार की विमेन एंपावरमेंट की संयोजक आचार्या मां साक्षी ने हमारे जीवन में ध्यान का महत्व बताया। पूरे देश में अलग अलग जगहों पर ध्यान योग के तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करता है। जून के महीने में आश्रम में बहुत सारे कार्यक्रम हैं इसलिए गर्मियों की छुट्टियों का विशेष लाभ उठाएं और कार्यक्रमों का आनंद उठाएं। मुख्य आश्रम मुरथल में हर महीने 2 तीन दिवसीय ध्यान कार्यक्रम करवाए जातें हैं।

हिसार में बनाए जाएंगे जेजेपी के 35000 नए सदस्य : नैना चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। सदस्यता अभियान का शुभारंभ करते नैना चौटाला।

जननायक जनता पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू हो गया है। हिसार जिले में सदस्यता अभियान का विधिवत शुभारंभ बाढड़ा की पूर्व विधायक नैना चौटाला ने किया। सदस्यता अभियान कार्यक्रम के लिए नैना चौटाला शहर की जाट धर्मशाला में पहुंची। सबसे पहले उन्होंने दीनबंधु सर छोटूराम जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें नमन किया। यहां जिला स्तरीय बैठक में जिला के नवनियुक्त पार्टी पदाधिकारियों का भी स्वागत किया गया। नैना चौटाला ने कहा कि हमें हिसार जिले के अपने 35000 सदस्यों के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आज से दिन-रात एक करके जुटना होगा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने सदस्यता अभियान को पूरा करने के लिए 45 दिन का समय रखा है।

यह रहे मौजूद

मौके पर मुख्य रूप से शीला भ्याण, सज्जन बलाली, जिला प्रधान अमित बूरा, जिला प्रभारी अनिल बलकिया, मास्टर ताराचंद, सत्यवान बिछपड़ी, डॉ. अजीत, राजमल काजल, कृष्ण गंगवा, वीरेंद्र चौधरी, श्रीमती छन्नो देवी, तरुण गोयल, सत्यवान कुहाड़, सुरेंद्र काला सरपंच, ईश्वर सिंघवा, राजेंद्र सोरखी, मंदीप बिश्नोई, रोहताश कंडूल, ईश्वर लोरा, सज्जन लावट, सतबीर कस्वां, मुंशीराम बेनिवाल, गुलाब खेदड़, श्रवण बागड़ी, अनिल शर्मा, भरत सिंह बेनिवाल, सिद्धार्थ गोदारा, अज्जू घनघस, रणधीर बल्हारा, राजेंद्र चुटानी, रामकुमार भट्ट, शमशेर सरपंच मात्रश्याम आदि भी मौजूद थे।

डांस समर कैंप में बच्चों ने दिखाए जलवे, हुनर को मिला नया मंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। समर कैंप के विजेता विद्यार्थी पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

केएल आर्य डीएवी पब्लिक स्कूल में आयोजित किए गए डांस समर कैंप का समापन नृत्य कला प्रदर्शन के साथ हुआ। इस शिविर में बच्चों ने नृत्य की विभिन्न शैलियों का प्रशिक्षण लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह समर कैंप बच्चों को गर्मियों की छुट्टियों में कुछ नया सीखने और अपनी रचनात्मकता को निखारने का एक शानदार अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कैंप में अनुभवी नृत्य प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, बॉलीवुड और पश्चिमी नृत्य शैलियों की बारीकियां सिखाई गईं। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया और हर दिन कुछ नया सीखने की ललक दिखाई। समापन समारोह में बच्चों ने एक शानदार प्रस्तुति दी जिसमें उन्होंने कैंप के दौरान सीखे गए विभिन्न नृत्य रूपों का प्रदर्शन किया। बच्चों के आत्मविश्वास और ऊर्जा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

युवाओं ने लिया नशा मुक्त भारत का संकल्प

भारत माता की जय के नारों से गूंजा गांव खरड़ अलीपुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। खरड़ अलीपुर में युवाओं को जानकारी देते मास्टर वालंटियर राहुल शर्मा।

'देश रहेगा तभी हम रहेंगे, और देश तभी बचेगा जब युवा नशे से बचेगा' इसी संदेश को लेकर गांव खरड़ अलीपुर के खेल मैदान में एक भव्य नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि 'भारत माता की जय' और 'नशा भारत छोड़ो' जैसे जोशीले नारों से आसमान गूंज उठा। युवा उत्साह, संकल्प और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत नजर आए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मास्टर वालंटियर एवं सुकून काउंसलर राहुल शर्मा ने कहा कि नशा एक ऐसा अंधकार है जो युवाओं के भविष्य को निगल रहा है। हमें केवल अपने लिए नहीं, अपने परिवार, समाज और देश के लिए भी नशे को ना कहना होगा। राहुल शर्मा ने युवाओं को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों के प्रति विस्तार से अवगत कराया और सभी उपस्थितों को जीवन में कभी भी नशा न करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पूर्व सरपंच सोनी कुमार तथा कोच मास्टर महेश कुमार ने भी अपने विचार रखते हुए युवाओं से अपील की कि वे खेल, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ें और दूसरों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें।

उपचुनाव में करतार बने कंवारी गांव के सरपंच, प्रतिद्वंद्वी अनूप को 312 वोटों से हराया

■ प्रशासन व पुलिस ने चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न होने पर चैन की सांस ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

उपमंडल के गांव कंवारी में रविवार को हुआ सरपंच पद का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। उपचुनाव में सरपंच पद के उम्मीदवार करतार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अनूप को 312 वोटो से हराकर जीत हासिल की। पंचायत उप चुनाव में करतार को 1316, अनूप 1004, चंद्रपाल को 849 तथा रघुवीर 209 वोट मिले, जबकि 9 ग्रामीणों ने नोटा का प्रयोग किया।

कंवारी गांव के पूर्व सरपंच नर सिंह दूहन उर्फ संजय की कुछ समय आपसी रंजिश के चलते गांव के ही कुछ लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। सरपंच संजय की गोली मारकर हत्या किए जाने पर खाली हुए सरपंच पद के लिए हरियाणा चुनाव आयोग द्वारा रविवार को सरपंच पद के लिए मतदान कराया गया था। मतदान सुबह 8 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे चला। चुनाव आयोग द्वारा गांव के 4116 मतदाता के लिए चार मतदान केंद्र बनाए गए थे मतदान ईवीएम मशीन के द्वारा कराया गया था।सांय 6 बजे मतदान संपन्न होने के उपरांत मतगणना की गई जिसमें करतार सिंह सबसे अधिक 1316 वोट लेकर 312 मतों से विजयी रहे। चुनाव के दौरान

कंवारी गांव में हुए रविवार को हुए उप चुनाव के दौरान जहां युवाओं में उत्साह कम नजर आया वहीं बुजुर्गों व महिलाओं में काफी उत्साह देखने को मिला। चुनाव के दौरान बुजुर्ग व महिलाएं गर्मी के बावजूद मतदान केंद्र के बाहर लाइनों में लगी नजर आई और अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। कंवारी गांव में सरपंच संजय दूहन की हत्या किए जाने के चलते करवाए गए उपचुनाव में पुलिस द्वारा गांव की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। उपचुनाव के लिए डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई को नोडल अधिकारी नियुक्त कर किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए गांव व मतदान केंद्रों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। एसपी अमित यशवर्धन ने मतदान केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा-व्यवस्था का ज्यादा लिया और उन्होंने ग्रामीणों से शांतिपूर्वक व निष्पक्ष व निडर होकर मतदान करने की अपील की थी।

हांसी। नवनिर्वाचित सरपंच को सर्टिफिकेट सौंपते चुनाव अधिकारी एसडीएम राजेश खोथ व उपचुनाव में मतदान के लिए पहुंची एक परिवार की तीन पीढ़ियों की महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

उगालन में बबीता और थुराना गांव में रामदिया चुने गए सरपंच

■ सरपंच बनने के बाद ग्रामीणों में जगी आस, अब होगा विकास

नारनौंद। क्षेत्र के गांव उगालन बबीता और थुराना में सरपंच बन गए। गांव उगालन में कुल वोट 5140 थे। जिनमें से 3012 वोट पोल हुए। बबीता को 1350 वोट मिले जबकि आरती को 1107 वोट मिले और वो इस चुनावी रण में बबीता 243 वोटों से जीत गईं। बबीता के सिर पर सरपंची का ताज सज गया। उधर गांव थुराना में रामदिया को 2723 वोट मिले उनकी टक्कर में मनदीप को सिर्फ 711 वोट ही मिले। रामदिया की 2012 वोटों से एकतरफी जीत हुई।

मतदान के दौरान भारी पुलिस बल हर बूथ पर तैनात रहा। पुलिस अधीक्षक ने भी मतदान केंदों का दौरा कर सुरक्षा का जायजा लिया। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी लाइन लग गई थी। काफी युवाओं ने पहली बार अपने मतदान का प्रयोग किया। उगालन में सरपंच पद के लिए चार और थुराना में सात उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। मतदान सुबह सात बजे से शाम को छह बजे तक हुआ। चुनाव को लेकर मतदाताओं में भारी उत्साह देखा गया। महिलाएं गीत गाती हुई मतदान केंद्र पर पहुंची। सरपंच बनने के बाद भी गांव उगालन में पहले हुए पंचायती चुनाव में गांव के सरपंच पद का चुनाव पोस्टपोन हो गया था क्योंकि उसे समय गांव के ही एक प्रत्याशी का नामांकन रद्द कर दिया गया था और उसने कोर्ट की शरण ली थी। उसके बाद कोर्ट के आदेशों पर चुनाव पोस्टपोन कर दिया गया था। इस चुनावी रण में आरती देवी को 1107, बबिता को 1350, रितु को 437, और कार्मिला को 112 वोट मिलें। छह मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। गांव थुराना में कुल वोट 5110 हैं। जिनमें से 3741 वोट पोल हुए। मतदान कुल 67.89 प्रतिशत रहा। सरपंच के चुनाव के लिए सात उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं। सामान्य पुरुष वर्ग के लिए ये गांव आरक्षित किया गया है। सरपंच पद के लिए रामदिया को 2723, मनदीप को 711,जगदीश चंद्र को 36, पूर्व सरपंच दीपचंद को 11, प्रवीण कुमार 07, मोहन 16, सूरजमल को कुल 227 मत मिलें। नोटा का प्रयोग 10 लोगों ने किया। उधर गांव खेड़ी रोज में वार्ड एक के पंच का चुनाव हुआ।

नारनौंद। गांव उगालन के मतदान केंद्र पर महिलाएं वोट डालने के लिए लाइन में खड़ी हुई व सरपंच रामदिया तथा उगालन गांव की सरपंच बबीता जीत का प्रमाण पत्र लेती हुई। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

युवक पर हमला करने के 5 आरोपी गिरफ्तार

हिसार। पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम व थाना एचटीएम टीम ने जानलेवा हमले के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह हमला सूर्य नगर निवासी विक्रम उर्फ विक्रमजीत पर किया गया था। इस मामले में बयानाखेड़ी निवासी अनिकेत उर्फ अंकित, सातरोड़ निवासी नीरज उर्फ घासी, विशाल उर्फ बोलहर, विशांत उर्फ धोनी व नसीब उर्फ बिट्टू शामिल है। जांच अधिकारी एएसआई संदीप ने बताया कि 5 जून की रात विक्रम उर्फ विक्रमजीत पर पुरानी रंजिश के चलते इन आरोपियों ने हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाई थीं। शिकायतकर्ता के अनुसार, उक्त रात बिट्टू, प्रहलाद, विकास, विशांत सोनी और अन्य ने उसका रास्ता रोक लिया। दीपू नामक एक व्यक्ति ने उस पर गोली चलाने का प्रयास किया, जो चल नहीं पाई। दयानंद सहित अन्य आरोपियों ने गंडासी, लाठी और डंडों से उस पर जानलेवा हमला किया।

आदमपुर में कांग्रेस बैठक का आयोजन

आदमपुर। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं पूर्व अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए संगठन सृजन अभियान के निर्देशों के अंतर्गत आदमपुर के उत्सव गार्डन में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संगठन सृजन अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला।

जाम में फंसे सांसद जांगड़ा को ग्रामीणों ने हालात से रूबरू कराया

बास में पानी की निकासी को लेकर सड़क मार्ग पर जाम

नारनौंद। गांव बास में सड़क पर जाम लगाकर बैठे हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

नाला खुदवाए जाने की मांग

मांग की गई है कि खरबला रोड पर स्थित चिन्हित भूमि तक नाला खुदवाया जाए जो सरकार ने वाटर शिविर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए पांच एकड भूमि खरीदी हुई हैं। वहा पर करीब एक एकड भूमि की खुदाई करवाई जाए वहा से बारह इंची फलड की लाइन ड्रेन तक दबाई हुई हैं।

1. गांव की गलियों की हालत देखकर बोले, यहां रहना तो नर्क है, जाम के दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई
2. ग्रामीणों की चेतावनी, तीन दिन में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो दोबारा सड़क पर उतरेंगे

उपायुक्त को बताएंगे ग्रामीणों की समस्या

राज्यसभा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा ने बताया कि ग्रामीणों की समस्या के समाधान के लिए जिला उपायुक्त को फोन किया था लेकिन फोन नहीं उठाया गया। जैसे ही मेरा संपर्क होगा तो उन्हें तुरंत इस समस्या से अवगत करवाकर ग्रामीणों की समस्या का समाधान करवाया जाएगा। इस गांव के लिए मैंने पहले भी ग्रांट भेजी हुई है और गांव की इस हालत को देखकर बड़ा दुख हुआ है। ग्रामीणों की समस्या का समाधान जल्द से जल्द करवाने का काम करूंगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

क्षेत्र के गांव बास में पिछले चार साल से पानी की निकासी को लेकर ग्रामीण काफी परेशान है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त से मुख्यमंत्री तक शिकायत कर चुके हैं लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ।

गुस्साए ग्रामीणों ने रविवार को जींद भिवानी सड़क मार्ग पर गांव बास के बस स्टैंड पर जाम लगा दिया। जाम लगने के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई।

जाम में राज्यसभा सदस्य रामचंद्र जांगड़ा भी फंस गए। ग्रामीणों ने उनकी गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया। उन्होंने समस्या का समाधान करवाने के लिए डीसी को फोन लगाया लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। सांसद ने गाड़ी से उतरकर ग्रामीणों की समझाने की कोशिश की लेकिन ग्रामीण नहीं माने ओर उन्हें पैदल ही गांव की गालियां दिखाने के लिए ले गए। गलियों का हाल देखकर बोले ये तो नरक के समान है। ग्रामीणों को आश्वासन देकर निकल गए। ग्रामीण मौके पर उपायुक्त को बुलाने पर अड़े हुए थे। थाना प्रभारी मंदीप सिंह ने ग्रामीणों को समझाया और मौके पर बीडीपीओ को बुलाकर समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। उसके बाद ही ग्रामीणों ने जाम को खोला। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि तीन दिन में उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह दोबारा से फिर सड़क जाम करने पर मजबूर होंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि बास की पीएचसी हास्पिटल वाली मैन गली में पानी भरा हुआ हैं। वहां से ग्रामीणों का निकलना दूभर हो रहा है। गंदे पानी में कीड़े व मच्छर पनप चुके हैं। गांव में कभी भी कोई बड़ी बीमारी फैल सकती हैं।

हिसार की मुस्कान ने नीट यूजी 2025 में मारी बाज़ी, हासिल की एआईआर 100

हिसार। आकाश संस्थान के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी।

टॉप रैंक प्राप्त करने वाले छात्रों में ये शामिल

मुस्कान	रैंक 100
दीपेश मलिक	रैंक 313
गरिमा गौरी	रैंक 491
मीनाक्षी	रैंक 1217
अंशिका	रैंक 1639
रीना शर्मा	रैंक 2187
मन्नत	रैंक 2362

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

देश की सबसे कठिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2025 में हिसार की बेटी मुस्कान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक 100 प्राप्त की है। उनके साथ ही आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के हिसार केंद्र से कुल 17 छात्रों ने टॉप रैंक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।

■ आकाश संस्थान के 16 और छात्र भी टॉप रैंक में शामिल

इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के पीछे छात्रों की मेहनत, शैक्षणिक अनुशासन और एईएसएल द्वारा प्रदान की गई विश्वस्तरीय कोचिंग और मार्गदर्शन का बड़ा योगदान है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार शाम परीक्षा परिणाम घोषित किए। अनमोल चोपड़ा, रैंक 7960 तथा अन्य कई छात्र जिन्होंने बेहतरीन रैंक प्राप्त की। ये सभी छात्र एईएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम से जुड़े थे, जो नीट जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय संस्थान द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव, अवधारणात्मक स्पष्टता और अनुशासित पढ़ाई की रणनीति को दिया। छात्रों ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि हम आकाश के बेहद आभारी हैं, जिन्होंने शुरुआत से लेकर अंत तक हमारा मार्गदर्शन किया। यहां की संरचित स्टडी मैटेरियल, अनुभवी शिक्षकों की क्लासेस और पर्सनल मेंटरिंग ने हमें कठिन विषयों को आत्मसात करने में मदद की। बिना एईएसएल के यह सफलता संभव नहीं थी। एईएसएल के रीजनल डायरेक्टर डॉ. सुरेंद्र कुमार ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे छात्रों ने नीट यूजी 2025 में जो प्रदर्शन किया है, वह अत्यंत गर्व की बात है। पूरे देश से लाखों छात्र इस परीक्षा में बैठते हैं। ऐसे में टॉप रैंक लाना बहुत ही सराहनीय उपलब्धि है। यह सफलता न केवल छात्रों की मेहनत को दर्शाती है, बल्कि उनके माता-पिता के समर्थन और हमारी अकादमिक टीम की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

नारनौंद में किसान के बेटे तनिष ने किया नीट क्वालीफाई

■ तनिष को डॉक्टर बनने की प्रेरणा पड़ोस में रहने वाले भाई से मिली

नारनौंद। मन में निश्चय लग्न और मेहनत से किया गया हर कार्य हमेशा पूरा होता है। ऐसा ही लोहारी राघों के न्यू आदर्श हाई स्कूल में पढ़ने वाले छात्र तनिष ने कर दिखाया। वह बचपन से ही डॉक्टर बनने का सपना पाले हुआ था। उसकी मेहनत उसकी मंजिल तक ले गई। गांव लोहारी राघो के तनिष पुत्र अनिल ने जारी हुए नीट यूजी के परिणाम में 594 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। तनिष का ऑल इंडिया रैंक 1854 व कैटगरी रैंक 139 है। तनिष के पिता एक साधारण किसान हैं और माता निजी स्कूल में प्राइमरी अध्यापिका है। तनिष ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं अध्यापक को दिया। तनिष को डॉक्टर बनने की प्रेरणा अपने पड़ोस में रहने वाले भाई से मिली वो एक बेहतरीन कार्डियोलॉजिस्ट बनना चाहता हैं। तनिष बताया कि निरंतर किया गया प्रयास एक दिन आपको मंजिल तक अवश्य पहुंचता है। वह बचपन से ही डॉक्टर बननकर लोगों की सेवा करना चाहते थे। इस उपलब्धि पर पूरे गांव में खुशी का माहौल है।

नारनौंद। नीट क्वालीफाई करने वाला छात्र तनिष।

यशिमत सोनी ने नीट परीक्षा में 3415वां रैंक हासिल कर बनाया कीर्तिमान

हिसार। मुकलान निवासी एवं वर्तमान में शहर के सेक्टर 15ए में रहने वाले वेदप्रकाश सोनी के पुत्र यशिमत सोनी ने नीट 2025 परीक्षा में बारहवीं कक्षा की पढ़ाई के साथ प्रथम प्रयास में ही अखिल भारतीय 3415वां रैंक हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यशिमत की माता डॉ. नीलम सोनी पीएचडी करके वर्तमान में एक व्याख्याता हैं और पिता वेदप्रकाश सोनी अपने समय के होनहार छात्र रहे हैं। वर्तमान में वे शिपिंग क्षेत्र में तकनीकी निदेशक हैं, जिन्होंने पहले भारतीय नौसेना में अपनी सेवाएं दी हैं और एक दशक से ज्यादा समय तक चीफ इंजीनियर के रुप में भी काम किया है। यशिमत ने अपनी स्कूली शिक्षा केएल आर्य डीएवी स्कूल से 10वीं तक पूरी की और 12वीं कक्षा में राजस्थान बोर्ड से 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य बोर्ड मेरिट में स्थान हासिल किया। यशिमत ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने बड़े भाई, माता-पिता, शिक्षकों को दिया है।

हिसार। नीट परीक्षा में अव्वल स्थान पाने वाले यशिमत सोनी का मुंह मीठा करवाते हुए माता-पिता।

शांति निकेतन स्कूल की छात्रा तमन्ना ने पाए 543 अंक

आदमपुर। आदमपुर शांति निकेतन पब्लिक स्कूल की छात्रा तमन्ना ने नीट 2025 परीक्षा में 543 अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। तमन्ना ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन किया। स्कूल निदेशक अनिरुद्ध बिश्नोई ने बताया कि तमन्ना ने 12वीं तक की पढ़ाई शांति निकेतन स्कूल से की थी। तमन्ना ने सिद्ध कर दिया है कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति निष्ठा से किसी भी मंजिल को पाया जा सकता है। वह सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। चेयरमैन पपेन्द्र ज्याणी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तमन्ना की सफलता यह दर्शाती है कि अगर सही मार्गदर्शन और शिक्षा पाएं तो मेहनत और लगन से कोई भी विद्यार्थी ऊंचाइयों को छू सकता है। प्रिंसिपल राजेन्द्र ने कहा कि तमन्ना की यह उपलब्धि आने वाले छात्रों को दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करेगी। वह विद्यालय की एक होनहार छात्रा रही है।

आदमपुर। छात्रा तमन्ना

नीट परीक्षा परिणाम में सूरज स्कूल के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

नेहा

खुशी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नीट की परीक्षा का परिणाम घोषित किया, जिसमें सूरज स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने शानदार सफलता अर्जित कर अपने विद्यालय, क्षेत्र तथा माता-पिता के नाम को रोशन किया।

संस्था निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों में नेहा ने 720 अंकों में से सर्वाधिक 584 अंकों के साथ स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी क्रम में खुशी ने 553 अंकों के साथ द्वितीय तथा रुचि ने 549 अंकों के साथ तृतीय, निखिल कुमार ने 547, काव्या ने 545, मनीष ने 541, सुनील कुमार ने 540, प्रियांशु ने 538, अभिषेक ने 537, विष्णु ने 536, आकांक्षा ने 535, मेहा ने 534, विवेक ने 527, हिमांशी ने 525, समीक्षा ने 525, वैभव ने 525, सोमेश ने 520, नमन ने 518, शिवांगी ने 515, माणिक ने 515, हर्षिता ने 514, खुशी ने 513, तनीषा ने 510, हरमन ने 505, समीर ने 502, अविरल शर्मा ने 500, अभिनव ने 498, नेत्रपाल ने 496, सौम्या ने 495, पूजा ने 495, प्रियांशु ने 495, भूपेंद्र ने 493, विशेष ने 490, मेघा ने 487, आकाश ने 485, मुस्कान ने 480, कनक भारद्वाज ने 462 अंक एवं अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। इस अवसर पर संस्था के निदेशक संदीप प्रसाद ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि योजनाबद्ध तरीके से तथा कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प, के बल पर जीवन में बड़ी से सफलता प्राप्त की जा सकती है।

हिसार। शराब ठेका हटवाने की मांग पर धरने पर बैठे क्षेत्रवासी। फोटो : हरिभूमि

ठेका हटाओ धरने को मिला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का समर्थन

हिसार। महाराजा अग्रसेन मार्किट एसोसिएशन द्वारा शराब का ठेका हटवाओ धरना रविवार को चौथे दिन भी जारी रहा। मार्किट के दुकानदारों ने शराब का ठेका शिफ्ट होने तक धरने को जारी रखने का संकल्प दोहराया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से मोहित बंसल व कमल सर्राफ ने यह विश्वास दिलवाया कि वे इस शराब के ठेका प्रकरण को ऊपर तक पहुंचाएंगे। उन्होंने एसोसिएशन के शिष्टमंडल को उनके इस आंदोलन में पूर्ण सहयोग का वादा करते हुए कहा कि हमारे कार्यालय के सामने बीस मीटर की दूरी पर यह शराब का ठेका खुलना सरासर गलत है। हमारे इसी कार्यालय में नशा मुक्ति केंद्र भी संचालित है। ऐसे में शराब के ठेके का यहां होना समझ से परे है।

विकास कार्य इसी साल बन कर तैयार होगा धर्मशाला भवन : विनोद भ्याना

घिराय गांव में बनेगी धर्मशाला, विधायक ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी विधानसभा क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं ताकि लोगों को अधिक से अधिक सहुलियत मिल सके।

यह बात विधायक विनोद भ्याना ने गांव घिराय में धर्मशाला के निर्माण कार्य का शुभारंभ करने के उपरांत ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस धर्मशाला का निर्माण कार्य इसी वर्ष पूरा हो जाएगा। धर्मशाला भवन के निर्माण कार्य पर लगभग 50 लाख रुपए की धनराशि खर्च आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि ब्लॉक समिति द्वारा 21 लाख रुपए की धनराशि इस भवन के प्रथम चरण के निर्माण कार्य पर खर्च की जाएगी।

हांसी। घिराय गांव में ग्रामीणों को संबोधित करते विधायक विनोद भ्याना।

ग्रामीणों ने रखी थी मांग

विधायक ने बताया कि कुछ दिन पहले गांव के कुछ लोग उनसे मिले थे और उन्होंने गांव के जोधा पाना में धर्मशाला भवन बनवाने की मांग रखी थी। उसी समय ग्रामीणों की मांग को स्वीकार कर लिया गया था और उन्हें आश्वस्त किया गया था कि जल्द ही धर्मशाला भवन का निर्माण शुरु करवाया जाएगा। आज इस भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ करवा दिया गया है और बहुत ही जल्द इस धर्मशाला का निर्माण कार्य पूरा करवा कर ग्रामीणों की मांग को पूरा किया जाएगा। धर्मशाला के निर्माण कार्य का शुभारंभ करने के बाद विधायक ने काफी समय ग्रामीणों से बातचीत की। इस दौरान लोगों ने अपनी व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक समस्याओं को रखा।

विधायक ने कहा कि लोगों द्वारा रखी जाने वाली समस्या छोटी हो या बड़ी, व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक सभी समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा।

ये रहे कार्यक्रम में उपस्थित

इस अवसर पर भाजपा नेता राजपाल यादव, पंचायत समिति अध्यक्ष प्रतिनिधि सुभाष यादव, घिराय गांव के सरपंच प्रतिनिधि संदीप बूरा, बीडीसी सदस्य कुलदीप बूरा, रणबीर मास्टर, ईश्वर सिंह, कैप्टन राजवीर सिंह, रामचंद्र तथा विधायक के निजी सचिव रवि अरोड़ा, रॉकी, कृष्ण कर्मवीर, दीपक सुलतानपुर तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बहुद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी सिविल सर्जन को देंगे ज्ञापन

हिसार। सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मचारियों को लोकेशन आधारित जियो फेंसिंग हाजिरी लगाने के लिए बाध्य करने वाले निर्णय का बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन विरोध करते हुए 25 जून तक राज्य के सभी 22 जिलों मे रोष सभा करेंगे और सिविल सर्जनों के माध्यम से सरकार को ज्ञापन देगे। यह निर्णय सर्व कर्मचारी संघ के भवन मे आयोजित बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन की राज्य स्तरीय बैठक मे लिया गया।

नगर में बजरंग दल के संचलन से हुआ हिंदुओं का शौर्य जागरण

हिसार। विश्व हिन्दू परिषद् के तत्वावधान में चल रहे बजरंग दल के सात दिवसीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन यहां ओजपूर्ण तरीके से हुआ। बजरंग दल के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने सम्यक कदमताल का परिचय देते हुए नगर में पथ संचलन निकाला। सेना के जैसे विजयघोष वाली धुनों पर युवाओं की कदमताल से सारा नगर हिन्दुत्व के वातावरण में रंग गया। वर्ग के समापन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक पवन जिंदल, प्रांत संगठन मंत्री राधेश्याम क्रांति, वर्ग पालक सुनील शास्त्री, प्रांत संयोजक बजरंग दल भारत भूषण, जिला अध्यक्ष प्रो. राजेन्द्र गुप्ता व जिला संघचालक भूपेंद्र की उपस्थिति में विहिप के इन्द्रप्रस्थ क्षेत्र के सामाजिक समरसता संयोजक ईश्वरलाल ने उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि बजरंग दल जैसे युवाओं का त्याग दुर्लभ ही देखने को मिलता है।